प्रधानमंत्री के भोपाल आगमन की तैयारी तेज 1 हजार महिलाएं संभालेंगी स्वागत का जिम्मा

27 को प्रदेश भाजपा कार्यालय में बड़ी बैठक

सच प्रतिनिधि ॥ भोपाल

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में 31 मई को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी महिला महासम्मेलन में शामिल होंगे। इसे लेकर तैयारी तेज हो गई है। महिला महासम्मेलन की तैयारियों की कमान बीजेपी की एक हजार महिला कार्यकर्ता संभालेंगी। इसे लेकर 27 मई को प्रदेश भाजपा कार्यालय में बड़ी बैठक बुलाई गई है। इस बैठक में एक्टिव महिला कार्यकर्ताओं को टोली दायित्व सौंपा जाएगा। इससे पहले कल पार्टी के प्रदेश कार्यालय में 31 मंडलों की बैठक आयोजित की गई। जानकारी के मुताबिक पार्टी अगले तीन दिन में कमेटी बनाएगी और इन्हीं कमेटियों की जिम्मेदार महिला कार्यकर्ताओं को कार्यक्रम की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। जानकारी के लिए बतादे कि यह कार्यक्रम लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित किया जा रहा है। महासम्मेलन की व्यवस्थाओं को लेकर शनिवार को प्रदेश कार्यालय में भोपाल जिले की महिला मोर्चा की बैठक हुई। बैठक में भाजपा प्रदेश महामंत्री भगवान सबनानी, मोहन सरकार में मंत्री कृष्णा गौर, महापौर मालती राय, पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष सीमा सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष रविंद्र यती, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष वंदना जाचक एवं मनोज राठौर भी मौजूद रहे। बैठक में आयोजन संबंधी टोली बनाने को लेकर चर्चा की गई। बैठक में सभी 31 मंडलों से दो-दो महिला प्रतिनिधियों को बुलाया गया था। यहां तय हुआ है कि 27 मई की शाम पार्टी की 1000 महिला कार्यकर्ताओं की बैठक होगी, जिसमें दायित्व सौंपे जाएंगे। पीएम मोदी महिला सम्मेलन में आ रहे हैं, इसलिए सभी प्रमुख कार्य महिलाओं को ही सौंपने का निर्णय लिया गया है। पीएम मोदी के कार्यक्रम के लिए पार्टी ने भोपाल की महिलाओं को जिम्मेदारी सौंपने के लिए हर मंडल से 20 नाम तय किए हैं। इसमें से दो महिला कार्यकर्ताओं को शनिवार की बैठक में बुलाया गया था। अब प्रदेश संगठन के साथ होने वाली बैठक में सभी मंडलों से आने वाली महिला प्रतिनिधियों के साथ 1000 महिला कार्यकर्ता, पदाधिकारी को बुलाया गया है।

हैदराबाद हॉर्स रेस क्लब के घोड़े जबलपुर में किस साजिश से छुपाए?

सच संवाददाता ॥ जबलपुर

जो घोड़े रेस कोर्स में दौड़ लगाकर अरबों रुपये इधर से उधर करने की क्षमता रखते हैं। इन्हीं घोड़ों के साथ इतना गंदा सलूक रेस कोर्स का कारोबार करने वाले करते हैं कि लगता है इनकी सारी इंसानियत मर चुकी है। जब तक ये घोड़े रेस में भागते हैं तो इनकी राजा बाबू की तरह सेवा की जाती है लेकिन यही घोड़े जब जब दौड़ने के काबिल नहीं रहते तो उन्हें मरने के लिए छोड़ दिया जाता है। जबलपुर में ऐसे 57 घोड़े हैदराबाद से चोरी-छुपे लाए गए। इनमें से 10 की मौत हो गई। इस मामले की जांच अब होने लगी है। असल सवाल ये है कि इन घोड़ों को चुपके से जबलपुर क्यों लाया गया। क्या यहां भी होर्स रेस शुरू करने की तैयारी थी? क्या ये घोड़े रेस के लायक नहीं बचे या फिर हैदराबाद रेस कोर्स से घोड़ों को छुपाने के लिए इधर से उधर किया गया? गौरतलब है कि ऑनलाइन गेमिंग कई तरीके से होती है। सट्टा खेलने वाले लोग हार और जीत पर दांव लगाते हैं। जीतने वाले को पैसा मिलता है हारने वाला पैसा गंवा देता है लेकिन जो इस खेल को आयोजित करता है, उसे भी मोटी रकम मिलती है। इसी फॉर्मेट पर कई खेल खेले जा रहे हैं। जबलपुर की सिमरन इस्सर ने बताया वह एक एनिमल लवर हैं और उनको हैदराबाद की एक एक्टिविस्ट लावण्या शेखावत से जानकारी मिली थी कि हैदराबाद में एक रेस कोर्स में 154 घोड़े हैं। घोड़ों की रेस लगती है। ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफार्म पर सट्टा लगाया जाता है। यह ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफार्म फिलीपींस में बहुत ज्यादा प्रचलित है।

घोड़ों को स्टेरॉयड देने का भी आरोप

आरोप है कि रेस कोर्स में जिन घोड़ों को दौड़ाया जाता है, आरोप है कि इन घोड़ों को स्टेरॉयड दिए जाते हैं। यहां तक कि इस दी जाती हैं ताकि वह सामान्य से ज्यादा तेज दौड़ सकें। इस मामले में जब पूर्व मंत्री मेनका गांधी का दखल सामने आया, तब जिला प्रशासन ने वेटरिनरी डॉ. प्रफुल्ल मून के नेतृत्व में 4 टीमें बनाईं। ये टीम घोड़ों की जांच कर रही है। साथ ही घोड़ों का इलाज कर रही है। प्रशासन को चिंता है कि कहीं घोड़ों में ग्लेंडर नाम की बीमारी हुई तो मामला गंभीर हो जाएगा। क्योंकि यह बीमारी संक्रामक है। ये बीमारी घोड़े से इंसानों को भी लग सकती है। एनिमल लवर सिमरन ने बताया जब तक ये घोड़े दौड़ते हैं तब तक उनकी बहुत देखभाल की जाती है। ये घोड़े बहुत महंगे होते हैं। इनको देशभर से काफी महंगे दामों में खरीदा जाता है। इन्हें रेस के लिए तैयार किया जाता है। उनकी हर छोटी-बड़ी चीज का ख्याल रखा जाता है, लेकिन जैसे ही घोड़ा रेस के काबिल नहीं बचता। उसके बाद इन घोड़ों को मरने के लिए छोड़ दिया जाता है। सिमरन का आरोप है हैदराबाद की रेस कोर्स में यह खेल चलता था। वहां 154 घोड़े थे। इनमें से 57 घोड़े जबलपुर भेजे गए और बाकी घोड़ों को मरने के लिए छोड़ दिया गया या फिर इंजेक्शन लगाकर मार डाला।

मध्य प्रदेश हाई कोर्ट में जनहित याचिका

मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के एडवोकेट उमेश त्रिपाठी कहते हैं बलपुर के पास पनागर में सचिन तिवारी नाम का व्यापारी हैदराबाद से इन घोड़ों को लेकर आया। जबलपुर में भी इन घोड़े के साथ बर्बरता का सिलसिला जारी रहा। इन्हें जिस अस्तबल में रखा गया है, वह दरअसल भैंसों के लिए बनाया गया एक डेयरी फार्म है। जबकि घोड़े का अस्तबल अलग ढंग का बनता है। इनमें से कई घोड़े की हालत बहुत ज्यादा खराब थी। इसकी शिकायत हमने जबलपुर से लेकर वेंद्र सरकार तक की है और बीते कई दिनों से यह शिकायत का सिलसिला चल रहा है। इसलिए अब इस मामले को हमें कोर्ट के सामने उठाना होगा। अधिवक्ता उमेश त्रिपाठी ने इस मुद्दे को सिमरन की ओर से मध्य प्रदेश हाई कोर्ट में जनहित याचिका दायर की है। याचिका में आरोपियों के खिलाफ आपराधिक मुकदमा दर्ज करके प्रकरण चलाने की मांग की गई है।

फर्जी किसानों के नाम पर लाखों का केसीसी ऋण का घोटाला

भोपाल। भोपाल में किसानों को खेती के लिए जमीन के बदले कम ब्याज पर ऋण देने के लिए बनाई गई किसान क्रेडिट कार्ड योजना अब बैंक अधिकारियों के लिए गबन का रास्ता बन गई है। ऐसा ही एक बड़ा फर्जीवाड़ा पंजाब नेशनल बैंक के अधिकारियों ने मुरैना में किया है। फर्जीवाड़ा सामने आने के बाद बैंक के बड़े अधिकारियों ने मध्यप्रदेश राज्य आर्थिक अपराध जांच विभाग (ईओडब्ल्यू) में शिकायत की।जांच के बाद ईओडब्ल्यू ने मुरैना के बागचीनी शाखा के मैनेजर आरएन जोनार और भोपाल में पदस्थ मंडल प्रमुख एके जुत्सी के खिलाफ लगभग 95 लाख रुपये के किसान क्रेडिट कार्ड ऋण का गबन करने का मामला दर्ज किया है। इस मामले में बागचीनी शाखा के फील्ड ऑफिसर और कृषि अधिकारी कुणाल नागू समेत कई बैंक अधिकारी भी आरोपी बनाए गए हैं।ईओडब्ल्यू से मिली जानकारी के अनुसार, 6 अक्टूबर 2007 से 21 मार्च 2011 के बीच मुरैना जिले के बागचीनी में पंजाब नेशनल बैंक की शाखा के मैनेजर अजय कुमार भट्ट, कृषि अधिकारी कुणाल नागू और अन्य लोगों ने 50 किसानों के नाम पर 95.31 लाख रुपये का फर्जीवाड़ा किया है।मुरैना की बागचीनी शाखा में 6 जनवरी 2007 से 21 मार्च 2011 तक यह घोटाला हुआ। जांच में पता चला कि जिन 50 किसानों के नाम लिए गए, उनमें से 45 का तो कोई अस्तित्व ही नहीं है। बाकी के 5 किसानों का पता चला, लेकिन उन्होंने बैंक से कभी भी किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) ऋण लेने से इनकार किया।जांच में आरोप सही पाए जाने के बाद, आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 420, 409, 467, 468, 120बी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 13(1)(क) और 13(2) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पूर्व लोकसभा स्पीकर सुमित्रा महाजन ने भोपाल-लखनऊ वंदे भारत को लेकर रेल मंत्री को लिखी चिट्ठी

भोपाल-लखनऊ वंदे भारत एक्सप्रेस में अड़ंगा ताई की चिट्ठी तूफानी रफ्तार पर लगाएगी रोक?

सच संवाददाता ॥ इंदौर

मध्य प्रदेश में वर्तमान में तीन वंदे भारत चल रही है। जिसमें भोपाल-दिल्ली वंदे भारत, भोपाल-जबलपुर वंदे भारत एक्सप्रेस और भोपाल-रीवा वंदे भारत ट्रेन है। वहीं कहा जा रहा है कि एमपी को अब एक और लंबी दूरी की वंदे भारत ट्रेन मिलने जा रही है। जो भोपाल से लखनऊ चलेगी, लेकिन इस वंदे भारत एक्सप्रेस को लेकर पूर्व लोकसभा स्पीकर व पूर्व सांसद सुमित्रा महाजन ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखा है।देश के अन्य रेलवे नेटवर्क पर वंदे भारत ट्रेन दौड़ रही है। जबकि इंदौर रेलवे के मुख्य मार्ग पर नहीं होने से यात्रियों को अन्य मुख्य मार्ग की ट्रेनों पर निर्भर रहना पड़ता है। इस बीच जब हाल ही में लखनऊ भोपाल वंदे भारत ट्रेन को चलाने की तैयारी हो रही है, तो पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने इसे लखनऊ से भोपाल के स्थान पर इंदौर तक चलने का अनुरोध किया है। इसे लेकर सुमित्रा महाजन ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखा है।पत्र में सुमित्रा महाजन ने लिखा है कि जो वंदे भारत लखनऊ से भोपाल तक चलनी है। उसका विस्तार इंदौर तक किया जाए। यह चिट्ठी उन्होंने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को लिखी है। जो वायरल हो रही है। हालांकि माना जा रहा है कि रेल मंत्री सुमित्रा महाजन के इस अनुरोध को स्वीकार कर सकते हैं, क्योंकि इंदौर व्यावसायिक शहर है। जहां से वंदे भारत ट्रेन शुरू होने से यात्रियों का ट्रैफिक लगातार मिलेगा। गौरतलब है इसी तरह की मांग बीते दिनों सांसद शंकर लालवानी ने की थी। हालांकि अब सुमित्रा महाजन के पत्र लिखने से माना जा रहा है कि रेल मंत्रालय के स्तर पर यह मांग स्वीकार कर लिए जाए। इसे लेकर खुद जनप्रतिनिधि भी खासे खुश नजर आ रहे हैं।

10 स्टेशनों पर कोच गाइडेंस बोर्ड का कार्य शुरू

रतलाम मंडल के 16 स्टेशनों पर अमृत स्टेशन योजना के तहत विकासात्मक कार्य किये जा रहे हैं। अमृत स्टेशन योजना के तहत इनमें से 10 स्टेशनों पर कोच गाइडेंस बोर्ड लगाने का कार्य किया जा रहा। इनमें से कई स्टेशनों पर पहले से ही कोच गाइडेंस बोर्ड की सुविधा उपलब्ध है। अमृत स्टेशन योजना के तहत रतलाम मंडल के कई स्टेशनों पर कोच गाइडेंस बोर्ड लगाने का कार्य किया जा रहा है। इस क्रम में मंडल के 6 स्टेशनों मेघनगर, खाचरोद, सीहोर, अकोदिया, बेरछा एवं देवास स्टेशन पर प्लेटफार्म क्रमांक 3 पर कोच गाइडेंस बोर्ड लगाने का कार्य पूरा कर लिया गया है। यात्रियों को सुविधा उपलब्ध हो रही है।

गाइडेंस बोर्ड आपको पहुंचाएंगा बर्थ तक

इसके अलावा मरसी व एंटेरिया स्टेशनों पर कोच गाइडेंस बोर्ड का टेस्टिंग कार्य प्रगति पर है। मंडल के शुजालपुर, लिमखेड़ा व लक्ष्मीबाइनगर रेलवे स्टेशन पर भी कोच गाइडेंस बोर्ड लगाने का कार्य स्वीकृत है और कार्य प्रगति पर है। कोच गाइडेंस बोर्ड यात्रियों के लिए एक महत्वपूर्ण सुविधा है। इससे यात्रियों को ट्रेनों के कम समय के ठहराव में भी अपने बर्थ तक पहुंचने की सुविधा उपलब्ध होती है।एक्सप्रेस ट्रेनों के सामान्य श्रेणी में यात्रा करने वाले आम यात्रियों के लिए यह सुविधा काफी सुविधाजनक है, क्योंकि कोच गाइडेंस बोर्ड के कारण सामान्य श्रेणी में यात्रा करने वाले यात्रियों को ट्रेन आगमन से पूर्व कोच की स्थिति का पता चल जाता है। रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी शेमराज मीणा ने बताया विभिन्न स्टेशनों पर कोच गाइडेंस बोर्ड लगाने से यात्रियों की यात्रा आरामदायक होने के साथ ही यात्रियों के समय की भी बचत होगी।

मध्य प्रदेश में वक्फ की जमीन पर खेती करेंगे किसान देश में ऐसा पहली बार

उज्जैन। मध्य प्रदेश वक्फ बोर्ड को हाई कोर्ट जबलपुर से बड़ी राहत मिली है। मामले के अनुसार वक्फ बोर्ड की जिन जमीनों पर भूमाफिया कब्जा किए बैठे हैं, उन्हें इस जमीन को छोड़ना पड़ेगा। कोर्ट के फैसले के बाद अब वक्फ बोर्ड ने अपनी संपत्तियों की देखभाल और निश्चित आय बनाने के लिए रणनीति बनानी शुरू कर दी है। उद्देश्य यही है कि जरूरतमंदों को जमीन देकर उनसे निश्चित किराया वसूला जाएगा। इससे जमीन भी सुरक्षित रहेगी और आय भी होगी। साथ ही जरूरतमंद की माली हालत भी सुधरेगी।

मध्य प्रदेश वक्फ बोर्ड की रणनीति के अनुसार कोर्ट का फैसला आने के बाद ये जमीन किसानों को लीज पर दी जाएगी। माना जा रहा है कि देश में ऐसा पहली बार हो रहा है कि किसान अब वक्फ की जमीन पर अन्न उगाएगा। इससे किसान आर्थिक रूप से सक्षम बनेगा और वक्फ बोर्ड की आय बढ़ेगी। मध्य प्रदेश वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष सनवर पटेल का कहना है इस आय को गरीबों के लिए उपयोग में लाया जाएगा। अब तक जो जमीनें कृषि कार्य के लिए लीज पर दी जाती थीं, उस पर भूमाफिया कब्जा कर बैठ जाते थे। वक्फ बोर्ड ने भूमाफिया के खिलाफ हाई कोर्ट में याचिका भी दायर की थी। कोर्ट ने वक्फ बोर्ड के हक में फैसला दिया। इसके बाद मध्य प्रदेश वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष सनवर पटेल ने कहा बोर्ड की जमीन किसानों को दी जाएगी। ये जमीन किसानों को पट्टा नियम अनुसार पूरी पारदर्शिता के साथ लीज पर कृषि कार्य के लिए दी जाएगी। एमपी वक्फ बोर्ड ने याचिका में दो आपत्तियां उठाई गई थीं। पहली यह कि वक्फ बोर्ड के आदेश पर हस्ताक्षर करने वाली मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ। फरज़ाना ग़जाल पूर्णकालिक सीईओ नहीं हैं, जोकि वक्फ अधिनियम, 1995 की धारा 23 के खिलाफ है।

रतलाम के सीएम राइज स्कूल में एडमिशन नहीं ले सकेंगे बच्चे, अधूरी पड़ी है बिल्डिंग

सच संवाददाता ॥ रतलाम

मध्य प्रदेश सरकार के महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट सीएम राइज स्कूल की बिल्डिंग्स के कार्य अधूरे होने से यह स्कूल इस वर्ष भी नवीन परिसर में नहीं लग पाएंगे. लेट लतीफों के चलते रतलाम में इस बार भी हजारों बच्चे सीएम राइज स्कूल यानी सांदीपनि स्कूल में प्रवेश लेने से वंचित रह जाएंगे। रतलाम जिले में कुल 7 बिल्डिंग्स में से 2 स्कूल बिल्डिंग ही बनकर तैयार हो सकी हैं। यही वजह है कि इस बार भी सीएम राइज स्कूलों की पुरानी बिल्डिंग्स में ही बच्चों को पढ़ना होगा। जहां पूर्ण क्षमता नहीं होने से बच्चों को नए एडमिशन नहीं मिल पा रहे हैं।दरअसल, सीएम राइज स्कूल की बिल्डिंग्स के ड्राईंग और डिजाइन की भोपाल से अनुमति में देरी और सरकारी भूमि आबंटन में त्रुटियों की वजह से यह लेट लतीफी हुई है। जिसका नुकसान इन स्कूलों में एडमिशन लेने से वंचित रह गए छात्रों को होगा। यदि रतलाम शहर के संदीपनी स्कूल की बात करें तो यहां बिल्डिंग का कार्य पूर्ण हो जाने पर 2600 बच्चों को पढ़ाने की व्यवस्था हो जानी थी। जबकि वर्तमान में सीएम राइज स्कूल में केवल 600 बच्चे ही पढ़ पा रहे हैं।यदि समय पर स्कूल बिल्डिंग बन जाती तो 2 हजार बच्चे अकेले रतलाम शहर से लाभान्वित होते। निर्धारित समय सीमा में करोड़ों की लागत से बनाई जा रही इन बिल्डिंग्स के निर्माण में हो रही देरी की वजह से रतलाम जिले में हजारों छात्र इस वर्ष भी सांदीपनि स्कूल में प्रवेश लेने से वंचित रह गए हैं।सीएम राइज स्कूल बिल्डिंग की निर्माण एजेंसी पीआईयू के अधिकारी सचिन हरित का कहना है कि, दो बिल्डिंग बनकर तैयार हो चुकी हैं। जिन्हें आगामी महीनों में शिक्षा विभाग के सुपुर्द किया जाएगा।

जिंदगी की भागदौड़ से चुराइये सुकून के कुछ पल

उड़कर पहुंचिए जंगल के होम स्टे

सच संवाददाता ॥ छिंदवाड़ा

मध्य प्रदेश में पर्यटक स्थलों की कमी नहीं है। एक से बढ़कर पर्यटन स्थल हैं। जो प्रकृति और सौंदर्यता से भरे हुए हैं। वहीं एमपी सरकार के कई जिलों में होम स्टे बसाए गए हैं। जो टूरिस्टों के लिए अलग एक्सपीरियंस साबित हो रहा है। यहां आने वाले पर्यटकों को पुरानी संस्कृति, परिवेश और आवोहवा से रूबरू कराया जा रहा है। शहरी भागम भाग और चकाचौंध की दुनिया से अपनी सुकून के पल बिताना चाहते हैं, तो आदिवासी परंपरा और घने जंगलों के बीच बने होम स्टे में आसमानी रास्ते से भी सफर आसान हो सकेगा।छिंदवाड़ा जिले के आदिवासी इलाकों में बने होमस्टे फाइव स्टार होटल से कम नहीं हैं। यहां पर सिर्फ भारत ही नहीं विदेश के भी कई पर्यटक प्रकृति और जनजाति परंपरा को समझने के लिए समय बिताने आते हैं। छिंदवाड़ा पर्यटन बोर्ड के नोडल ऑफिसर बलराम राजपूत ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना चुके छिंदवाड़ा के होमस्टे अब जिला प्रशासन द्वारा मल्टीनेशनल टूरिज्म सर्विस प्रदान करने वाली कंपनियों के साथ टाइअप करने की तैयारी में हैं।ताकि दुनिया भर से कहीं भी व्यक्ति ऑनलाइन इन होम स्टे की बुकिंग कर सकता है। खास बात यह है कि अगर कोई पर्यटक हवाई यात्रा के जरिए भी होमस्टे तक पहुंचाना चाहता है, तो उसके लिए हेलीपैड बनाने की तैयारी भी की जा रही है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिल चुकी है होमस्टे को पहचान

सावरवानी के होम स्टे को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अवार्ड मिल चुका है। 2023 में इसे विश्व स्तर पर इंटरनेशनल सेंटर फॉर रिस्पॉन्सिबल टूरिज्म (आईसीआरटी) के रिस्पॉन्सिबल टूरिज्म अवॉर्ड्स के लिए चुना गया था। पर्यटन दिवस पर छिंदवाड़ा के पर्यटन ग्राम सावरवानी के ग्वाले में एक बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है। पर्यटन मंत्रालय ने देश भर के टूरिज्म गांवों में से छिंदवाड़ा जिले के पर्यटन ग्राम सावरवानी को सर्वश्रेष्ठ टूरिज्म विलेज 2024 का अवार्ड दिया है। रिस्पांसिबल टूरिज्म वेंटेगरी में अवार्ड मिला था। होम स्टे मध्य प्रदेश सरकार का ऐसा प्रोजेक्ट है, जो टूरिज्म को बढ़ावा देने के साथ लोकल आदिवासी ग्रामीणों को रोज़गार भी उपलब्ध कराता है। जिसमें सरकार आदिवासी या ग्रामीण को उनकी ज़मीन पर होम स्टे बनाने सब्सिडी देती है। यहां रुकने वाले टूरिस्टों से मिलने वाला खर्च उन आदिवासियों को ही मिलता है। जो सैलानी खाने और रहने पर खर्च करते हैं।

कम खर्चे में सुकून के पल ग्रामीणों के लिए रोजगार

होम स्टे में रुकने के लिए अभी तक मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा बुकिंग होती है, या फिर सीधे होम स्टे संचालक से भी फोन पर बुकिंग कराई जा सकती है। इसके लिए 24 घंटे का ₹3000 खर्च आता है। इसमें ट्रैस्ट के पहुंचने पर आदिवासी और ग्रामीण परंपराओं में सीज़न के हिसाब से शुद्ध देसी खाना परोसा जाता है। जिसमें भेजरे की चटनी, मक्का ज्वार या मिलेट्स की रोटी, कोदो की खीर, महुं से बनी मठरी, सुबह के नाश्ते में कलेवा, रात में मनोरंजन के लिए भजन मंडली और आदिवासी संस्कृतियों के गीत भी पर्यटकों को सुनाए जाते हैं।

ग्रामीण परंपरा के साथ स्पेशल खाने से होती है खातिरदारी

पर्यटकों के लिए ब्रेक फास्ट, लंच और डिनर का पूरा पैकेज है। इसके अलावा बैलगाड़ी की सैर, गायों का दूध दुहना, उन्हें चारा खिलाना, खेती किसानी के छोटे-छोटे काम करना पहाड़ी में ट्रैकिंग की सुविधा, भजन मंडली और जनजातीय कस्मा नृत्य मंडली भी उपलब्ध होने रुकना यादगार बन जाता है। तामिया में ट्रैकिंग करना हो देवगढ़ में आदिवासी वित्तसत को समझना हो या फिर गुमतरा अमरता में पेंच नेशनल पार्क की जंगल सफारी करना हो, इसके लिए होमस्टे सबसे बेहतर डेस्टिनेशन है।

विदेशी सैलानियों की है पसंदीदा जगह

छिंदवाड़ा के तमिया के झिरपा से 6 किलोमीटर अंदर 300 घरों का सावरवानी गांव 2019 में पर्यटन गांव बना है। अब तक यहां 300 से ज्यादा विदेशी पर्यटक भी आकर गांव की संस्कृति, खान-पान की संस्कृति से अवगत हुए हैं। खेती-किसानी, पशुपालन की गतिविधियों में पर्यटक शामिल भी हुए। पर्यटकों में दक्षिण अफ्रीका, फ्रांस, यूरोप, रूस, कनाडा और यूनाइटेड किंगडम के नागरिक शामिल हैं।सावरवानी में ये सब सुविधाएं हैं, जो आदर्श गांव के लिए अनिवार्य हैं। सफाई पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। गांवों की शांति और प्राकृतिक परिवेश पर्यटकों को विशेष रूप से आकर्षित करता है। यहां शांत वातावरण में रुक कर आसपास के प्राकृतिक पर्यटन स्थल जैसे अनहोनी गर्म कुंड, अनहोनी मेला, सफाबाद, चांवलपानी के पास स्थित खाप पानी दैविक कुंड, घोघरा वाटरफाल, तामिया, पातालकोट, मौनीबाबा की पहाड़ी के साथ झिरपारिया वाटरफॉल की सैर कर पर्यटक प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेते हैं। सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान के बफर ज़ोन का बरगोदी गांव इससे सटा हुआ है।